चरण पड़ि हूँ

मिश्र पहाड़ी – जम्पई – हिन्दी – श्रीमती राजी नारायण

चरण पड़ि हूँ मैं शेरोवाली माँ
भरपूर माँगे वर देनेवाली माँ ॥

सरहद में हिम बीच मंदिर में बसि हो
मुर्झा न दोगी तेरी फूलसे बच्चों को ॥

त्रिगुणों की तेजस्विनी महाशक्ति माँ
त्रिकुटा बनि धर्मपालन की वैष्णो देवी माँ
त्रिशूल से स्थल बनाके भैरोनाथ से दूर रही हो
त्रिलोक जननी तू जय मातादी जय हो माँ ॥

तेरी यह सभा में कोई कमी न हो
तेरी भक्तों कों कोई दुख न हो
सारी दुनियाँ में तेरी जय जयकार हो
मेरी यह बिनती अब सुनलो तेरी जय हो ॥

तेरे बिना दूजा कोन शेरोवाली माँ
मेरी पुकार सुनो वैष्णोदेवी माँ
तेरी कृपा अपरमपार दुर्गा देवी माँ
पूरण करो जनम सफल जय अम्बे देवी माँ ॥

शेरोवाली जय जय हो
वैष्णोदेवी जय जय हो
दुर्गा देवी जय जय हो
अम्बे देवी जय जय हो
जय माता दी ॥
जय माता दी ॥